समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

इंदौर मे किन्नर समाज मे हंगामा : 24 ने पी लिया फिनायल, चार ने की आत्मदाह की कोशिश, दो आईसीयू मे भर्ती

Publisher

Published on 16 Oct 2025

इंदौर के नंदलालपुरा इलाके में बुधवार शाम **किन्नर समाज** में एक गंभीर और चौंकाने वाली घटना हुई। स्थानीय समयानुसार शाम के करीब 5 बजे 24 किन्नरों ने अचानक **फिनायल पी लिया**, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। इस घटना के चलते चार किन्नरों ने एमवाय अस्पताल के बाहर **आत्मदाह करने की कोशिश की**, लेकिन पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें समय रहते रोक लिया।

पुलिस और अस्पताल अधिकारियों के अनुसार सभी पीड़ितों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो किन्नरों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें **आईसीयू मे रंखा गया है**। बाकी किन्नरों का इलाज सामान्य वार्ड में चल रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन लगातार निगरानी की जा रही है।

घटना के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि यह कदम किसी **सामाजिक या मानसिक दबाव** की वजह से उठाया गया हो सकता है। पुलिस इस मामले की गंभीरता को देखते हुए **तुरंत जांच शुरू कर दी है**। नंदलालपुरा थाना प्रभारी ने बताया कि उन्होंने इलाके में संदिग्ध गतिविधियों और किसी भी संभावित उत्तेजना के सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार शाम अचानक किन्नर समाज में शोर और हंगामा हुआ। लोगों ने देखा कि कुछ किन्नर एमवाय अस्पताल के बाहर आत्मदाह के प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने त्वरित हस्तक्षेप किया और किसी तरह बड़ी दुर्घटना होने से रोका। पुलिस के अनुसार यह मामला सिर्फ आत्महत्या की कोशिश तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामूहिक फिनायल सेवन की गंभीरता भी है, जो कि एक **साइकोसोशल इमरजेंसी** है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि किन्नर समाज लंबे समय से आर्थिक और मानसिक समस्याओं से जूझ रहा है। **सामाजिक भेदभाव, रोजगार की कमी और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं** अक्सर ऐसे अत्यंत कदमों के लिए उत्प्रेरक बनती

हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस तरह की घटनाओं में **मनोवैज्ञानिक मदद और समाजिक परामर्श** बेहद जरूरी है।

एमवाय अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि फिनायल पीने वाले किन्नरों को तुरंत **पेट धोने, जीवन रक्षक दवाओं और आईसीयू सपोर्ट** प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि यह केवल अस्पताल की तत्परता नहीं बल्कि समाज और प्रशासन के सहयोग का परिणाम था कि बड़ी त्रासदी से बचा जा सका।

पुलिस ने इस मामले में बताया कि **किन्नर समाज के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं** से भी संपर्क किया जा रहा है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। नंदलालपुरा थाना ने सभी किन्नरों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता, परामर्श और जरूरी सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सामूहिक आत्मघाती प्रवृत्ति किसी **मानसिक दबाव, तनाव या सामाजिक असमानता** का परिणाम हो सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर किन्नर समाज के लिए **सुरक्षित माहौल, रोजगार के अवसर और मानसिक स्वास्थ्य सहायता** मुहैया कराना चाहिए।

इस घटना ने इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में लोगों के बीच **सुरक्षा और सामाजिक चेतना** को लेकर चर्चा को तेज कर दिया है। नागरिकों का कहना है कि ऐसे मामलों में केवल अस्पताल और पुलिस ही नहीं बल्कि समाज की पूरी सहभागिता जरूरी है।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी तरह के मानसिक दबाव या संकट के समय **सतर्क रहे और मदद के लिए अधिकारियों से संपर्क करे।** उन्होंने बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर **मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता अभियान** चलाए जाएंगे।

इंदौर में हुई यह घटना न केवल किन्नर समाज के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए **एक चेतावनी** है कि मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक दबाव को गंभीरता से लेना जरूरी है। अस्पताल और पुलिस की तत्परता के बावजूद यह स्पष्ट है कि ऐसे मामलों में सामूहिक सहयोग और समाज की समझ आवश्यक है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.